NEW
NCERT Based
Study Material

Golden®

हिंदी गंगा

A Book With a Difference

Based on New गंगा Textbook and CBSE Guidelines (आर 1 और आर 2)

Key Features

- रोचक Mind Map
- पाठ का सार • शब्दार्थ और टिप्पणी
- **गंगा** पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर
- परीक्षोपयोगी सभी गद्यांशों एवं काव्यांशों के अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर
- अन्य महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर
- अपठित बोध • व्यावहारिक व्याकरण • रचनात्मक लेखन

(आर 1 और आर 2 भाषा पर आधारित हैं)

Includes Audio Summary

Scan the QR Code for Regional Languages

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

- बहुविकल्पी प्रश्न • मिलान
- रिक्त स्थान पूर्ति • सत्य/असत्य
- कथन और कारण संबंधी प्रश्न

NEW AGE

कक्षा IX

Click Here for Regional Languages

Golden®

हिंदी गंगा

कक्षा 9

Based on New गंगा Textbook and CBSE Guidelines (आर 1 और आर 2)

लेखक

डॉ. अशोक बत्रा

पूर्व प्राचार्य, श्री लालनाथ हिंदू कॉलेज

रोहतक, हरियाणा

☞ प्रमुख विशेषताएँ–

- **रोचक Mind Map**
- पाठ का सार • शब्दार्थ और टिप्पणी
- **गंगा** पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर
- परीक्षोपयोगी सभी गद्यांशों एवं काव्यांशों के अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर
- अन्य महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर
- अपठित बोध • व्यावहारिक व्याकरण • रचनात्मक लेखन

(आर 1 और आर 2 भाषा पर आधारित हैं)

Committed to Educate the Nation

NEW AGE

Publishing Globally

IN INDIA

NEW AGE INTERNATIONAL (P) LIMITED, PUBLISHERS

LONDON • NEW DELHI

Bengaluru • Chennai • Cochin • Guwahati

Hyderabad • Kolkata • Mumbai

Visit us at www.newagegolden.com

Click Here to Buy Main Book Online

Copyright © New Age International (P) Ltd., Publishers
Published by New Age International (P) Ltd., Publishers
New Edition

Golden logo in English & Hindi is registered with Govt. of India, copyright office with Registration No. A-78534/2007 & A-78533/2007 in name of New Age International (P) Ltd., Publishers.

Rights are reserved. This logo may not be reproduced in any form, without the written permission of the copyright owner. Or else it should be an infringement of copyright which should be a criminal offence.

No part of this book may be reproduced in any form, by photostat, microfilm, xerography, or any other means, or incorporated into any information retrieval system, electronic or mechanical, without the written permission of the publisher.

GLOBAL OFFICES

• New Delhi **NEW AGE INTERNATIONAL (P) LIMITED, PUBLISHERS**
7/30 A, Daryaganj, New Delhi-110002, (INDIA), **Tel.:** (011) 23253472, 23253771, **Mob.:** 9315905300
E-mail: contactus@newagepublishers.com • Visit us at www.newagepublishers.com

• London **NEW AGE INTERNATIONAL (UK) LTD.**
27 Old Gloucester Street, London, WC1N 3AX, UK
E-mail: info@newacademicscience.co.uk • Visit us at www.newacademicscience.co.uk

BRANCHES

• Bengaluru 167, 1st Floor, 11th Cross, Mulkatamma Temple Road,Near Rajiv Gandhi Sports Complex, Vittal Nagar
Bengaluru – 560026, **Tel.:** (080) 26756823, **Mob.:** 9315905288, **E-mail: bangalore@newagepublishers.com**

• Chennai 26, Damodaran Street, T. Nagar, Chennai-600 017, **Tel.:** (044) 24353401, **Mob.:** 9315905309
E-mail: chennai@newagepublishers.com

• Cochin CC-39/1016, Carrier Station Road, Ernakulam South, Cochin-682 016
Tel.: (0484) 4051304, **Mob.:** 9315905289, **E-mail: cochin@newagepublishers.com**

• Guwahati Hemsen Complex, Mohd. Shah Road, Paltan Bazar, Near Starline Hotel
Guwahati-781 008, **Tel.:** (0361) 2513881, **Mob.:** 9315905296, **E-mail: guwahati@newagepublishers.com**

• Hyderabad 105, 1st Floor, Madhiray Kaveri Tower, 3-2-19, Azam Jahi Road, Near Kumar Theater
Nimboliadda Kachiguda, Hyderabad-500 027, **Tel.:** (040) 24652456, **Mob.:** 9315905326
E-mail: hyderabad@newagepublishers.com

• Kolkata RDB Chambers (Formerly Lotus Cinema) 106A, 1st Floor, S N Banerjee Road
Kolkata-700 014, **Tel.:** (033) 22273773, **Mob.:** 9315905319, **E-mail: kolkata@newagepublishers.com**

• Mumbai 142C, Victor House, Ground Floor, N.M. Joshi Marg, Lower Parel, Mumbai-400 013
Tel.: (022) 24927869, 24915415, **Mob.:** 9315905282, **E-mail: mumbai@newagepublishers.com**

• New Delhi 22, Golden House, Daryaganj, New Delhi-110 002, **Tel.:** (011) 23262368, 23262370
Mob.: 9315905300, **E-mail: sales@newagepublishers.com**

C-26-04-15462

Printed in India at Ajit Printing Press, Delhi.
Typeset at In-house, Delhi.

NEW AGE INTERNATIONAL (P) LIMITED, PUBLISHERS
7/30 A, Daryaganj, New Delhi-110002
Visit us at **www.newagegolden.com**
(CIN: U74899DL1966PTC004618)

दो शब्द

प्रिय विद्यार्थी एवं अध्यापकगण!

Golden® **हिंदी** का नया संस्करण आपके हाथों में सौंपते हुए अपार हर्ष हो रहा है। 20-22 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद **नई पाठ्यपुस्तक 'गंगा'** प्रकाशित हुई है। यह पुस्तक सचमुच नई, भावपूर्ण, विविध प्रश्न-अभ्यासों वाली, व्याकरण की समझ से भरपूर है। इसमें नई चुनौतियाँ, नई अपेक्षाएँ तथा नए अभ्यास-कार्य हैं।

आप जानते हैं, पिछले 50 वर्षों से Golden® **हिंदी** ने शिक्षा जगत में अपनी अलग पहचान स्थापित की है। अपनी सरल भाषा, सही-सटीक उत्तर, विषय की समझ, नई परीक्षा-विधि पर आधारित प्रश्न-अभ्यासों की लंबी और विस्तृत सामग्री और उच्च-स्तरीय उत्तरावली के कारण Golden® **हिंदी** विद्यार्थियों के हृदयों पर राज करती है। इस नए संस्करण की ये निम्न विशेषताएँ उल्लेखनीय हैं–

- 'गंगा' के सभी **महत्वपूर्ण गद्यांशों** तथा **समस्त पद्यांशों** की **सप्रसंग व्याख्या** पूरे विस्तार से दी गई है।
- **'व्यवहारिक व्याकरण'** के अंतर्गत कई **मुहावरों, अलंकारों** तथा **अन्य काव्यगुणों** पर प्रकाश डाला गया है।
- पाठ्यपुस्तक के पीछे दिए गए सारे प्रश्न-अभ्यासों का अपेक्षित विस्तार से उत्तर दिया गया है।
- इनके अतिरिक्त अति लघूत्तरात्मक प्रश्नोत्तर, बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर, रिक्त-स्थान की पूर्ति, सत्य-असत्य, तर्क-विश्लेषण (कथन और कारण) और मिलान संबंधी प्रश्नोत्तर भरपूर मात्रा में दिए गए हैं।
- 'गंगा' में प्रयुक्त सभी **मुहावरों, समानार्थी** शब्दों तथा **निपातों** का विस्तृत विवेचन किया गया है।
- इस बार **'निपात'** नया विषय है। इसे अलग महत्व दिया गया है। Golden® **हिंदी** में इसका सुस्पष्ट और विस्तृत विवेचन है। 'गंगा' में प्रयुक्त उदाहरणों से यह बात सरल भाषा में समझाई गई है।
- विद्यार्थियों के निजी अभ्यास के लिए पर्याप्त मात्रा में प्रश्न दिए गए हैं। उनके उत्तर **QR** कोड में उपलब्ध हैं।
- अनुच्छेद, पत्र-लेखन, संवाद आदि रचनात्मक विधाओं में 'चैटजीपीटी' और 'ईरान-अमरीका' युद्ध जैसे नवीनतम विषयों पर श्रेष्ठ रचनाएँ दी गई हैं।
- कठिन शब्दों के अर्थ इतनी मात्रा में दिए गए हैं कि आपको शब्दकोश की जरूरत महसूस नहीं होगी।
- हर पाठ की समग्र विशेषताओं और जानकारियों का सार-रूप **'सारिका'** नाम से प्रत्येक पाठ के आरंभ में दिया गया है। यह छात्रों के लिए परम सहायक सिद्ध होगा।
- परीक्षा में संभावित प्रश्न-पत्रों के अभ्यास हेतु **R-I** तथा **R-II** दोनों के लिए दो-दो आदर्श प्रश्न-पत्र भी इसमें संकलित किए गए हैं।
- इस पुस्तक को त्रुटि-रहित बनाने के लिए उच्च-स्तरीय हिंदी शिक्षकों और अनुभवी संपादकों ने दिन-रात परिश्रम करके इसे सँवारा है।
- फिर-भी यदि कहीं सुधार की जगह हो तो कृपया अपना अमूल्य सुझाव हमें अवश्य भेजें। हम निरंतर परिष्कार-सुधार को अपना धर्म समझते हैं।

आशा है कि इस बार Golden® **हिंदी** को आपका पहले से भी अधिक स्नेह मिलेगा!

Golden® **हिंदी** सबसे अच्छी पुस्तक है, इसके बारे में अपने मित्रों को बताकर हमारा उत्साहवर्धन करें और अपने सुझाव हमसे साझा करें।

–डॉ. अशोक बत्रा

विषय-सूची

- दो शब्द (*v*)
- पाठ्यक्रम (*vii–x*)

खंड 'ग'

गंगा

गद्य-खंड

(*1–175*)

अध्याय		पृष्ठ
1.	दो बैलों की कथा	2
2.	क्या लिखूँ?	30
3.	संवादहीन	58
4.	ऐसी भी बातें होती हैं (लता मंगेशकर से साक्षात्कार)	82
5.	आखिरी चट्टान तक	108
6.	रीढ़ की हड्डी	136
7.	मैं और मेरा देश	154

काव्य-खंड

(*177–285*)

8.	पद	178
9.	राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद	188
10.	भारति, जय, विजयकरे!	206
11.	झाँसी की रानी	222
12.	घर की याद	254

Click Here to Buy Main Book Online

खंड 'क'

अपठित बोध

(*287–325*)

1. अपठित गद्यांश (R1 & R2) 287
2. अपठित काव्यांश (R1 Only) 313

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

(*327–437*)

1. शब्द-निर्माण (*उपसर्ग और प्रत्यय*) (R1 & R2) 328
2. संज्ञा और सर्वनाम (*लिंग, वचन तथा कारक सहित*) (R1 & R2) 347
3. विशेषण और क्रिया (R1 Only) 372
4. अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद (R1 Only) 394
5. अलंकार (*शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष*) (R1 Only) 399
6. शब्द भंडार (*समानार्थी शब्द*) (R2 Only) 403
7. मुहावरे (R2 Only) 415
8. विराम-चिह्न (R2 Only) 427
9. निपात (R2 Only) 433

खंड 'घ'

रचनात्मक लेखन

(*439–481*)

1. अनुच्छेद-लेखन (R1 & R2) 439
2. पत्र-लेखन (*अनौपचारिक पत्र*) (R1 & R2) 455
3. संवाद-लेखन (R1 & R2) 465
4. सूचना-लेखन (R1 Only) 471
5. चित्र-लेखन (R2 Only) 477

सैंपल पेपर्स

(*483–499*)

- Golden® अभ्यास प्रश्न-पत्र-1 (R1 Only) पर आधारित 483
- Golden® अभ्यास प्रश्न-पत्र-2 ((R1 Only) पर आधारित 487
- Golden® अभ्यास प्रश्न-पत्र-3 (R2 Only) पर आधारित 491
- Golden® अभ्यास प्रश्न-पत्र-4 (R2 Only) पर आधारित 495

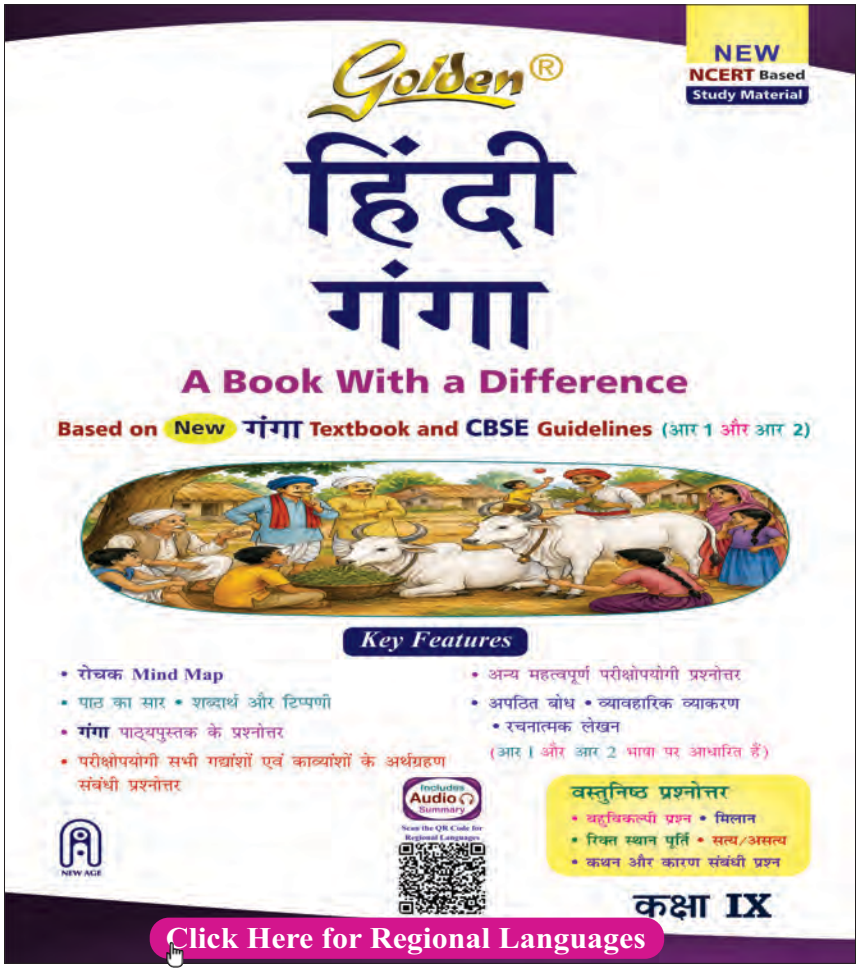

ISBN: 978-93-6074-743-5 Publication Year: 2027 Edition: New
Pages: 510 MRP: ₹ 499.00 Paperback

Click Here to Buy the Book Online

Salient Features

- रोचक Mind Map
- पाठ का सार • शब्दार्थ और टिप्पणी
- गंगा पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर
- परीक्षोपयोगी सभी गद्यांशों एवं काव्यांशों के अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर
- अन्य महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर
- अपठित बोध • व्यावहारिक व्याकरण • रचनात्मक लेखन
  (आर 1 और आर 2 भाषा पर आधारित हैं)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

• बहुविकल्पी प्रश्न • मिलान • रिक्त स्थान पूर्ति • सत्य/असत्य • कथन और कारण संबंधी प्रश्न

Watch me on YouTube

Committed to Educate the Nation
NEW AGE
Publishing Globally
IN INDIA

NEW AGE INTERNATIONAL (P) LIMITED, PUBLISHERS
LONDON • NEW DELHI
New Delhi • Bengaluru • Bhopal • Chennai • Cochin • Guwahati • Hyderabad • Kolkata • Lucknow • Mumbai • Patna
9315905300 9315905288 9315905334 9315905309 9315905289 9315905296 9315905326 9315905319 9315905295 9315905282 9315905339
Visit us at www.newagegolden.com

दो बैलों की कथा

मुख्य पात्र

- हीरा (शांत, सहनशील बैल)
- मोती (साहसी, क्रोधी बैल)
- झूरी (मालिक, दयालु)
- झूरी की पत्नी (कठोर स्वभाव)
- गया (झूरी का साला, निर्दयी)
- छोटी लड़की (भैरों की बेटी दयालु, सहानुभूतिपूर्ण)
- दढ़ियल (क्रूर खरीदार)

कथा का विषय

- पशुओं के माध्यम से मित्रता, निष्ठा और स्वतंत्रता का चित्रण
- साथ ही मनुष्य के कठोर और स्वार्थी व्यवहार पर व्यंग्य

मुख्य घटनाएँ

- हीरा और मोती की गहरी मित्रता
- गया का अपने घर बैलों को ले जाना और वहाँ उन पर अत्याचार करना
- दोनों का भागकर घर लौटना
- फिर से ले जाए जाना और मार-पीट सहना
- लड़की द्वारा मदद से भागना
- काँजीहौस में बंद होना और दीवार तोड़कर जानवरों को छुड़ाना
- नीलामी और कसाई के पास जाना
- अंत में अपने घर लौट आना और बच जाना

प्राकृतिक चित्रण

- खेत, मटर के खेत, गाँव, रास्ते का चित्रण
- पशुओं की गतिविधियाँ (चरना, दौड़ना, लड़ना)
- वातावरण से कहानी में जीवंतता और वास्तविकता आती है

प्रमुख भाव

- मित्रता और प्रेम
- करुणा (दुख, अत्याचार)
- वीरता (साँड़ से लड़ाई)

संघर्ष

- बैलों का मनुष्य के अत्याचार के खिलाफ संघर्ष
- स्वतंत्रता पाने की कोशिश

शिक्षा / संदेश

- सच्ची मित्रता हर परिस्थिति में साथ देती है
- दया और प्रेम सबसे बड़ा गुण है
- अत्याचार का विरोध करना चाहिए

पाठ का संदेश सच्ची मित्रता और एकता में बहुत शक्ति होती है। साथ ही, आत्मसम्मान और साहस के साथ अन्याय का विरोध करना चाहिए।

लेखक से परिचय

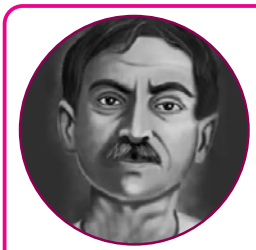

(1880–1936)

मुंशी प्रेमचंद का जन्म 1880 में लमही में हुआ था। उनका मूल नाम धनपत राय था। उन्होंने शिक्षा विभाग की नौकरी छोड़कर असहयोग आंदोलन में भाग लिया और लेखन को अपना जीवन बना लिया। उनकी कहानियाँ मानसरोवर में संकलित हैं और गोदान, गबन, निर्मला जैसे उपन्यास प्रसिद्ध हैं। उन्होंने हंस, जागरण, माधुरी पत्रिकाओं का संपादन किया। उनकी रचनाओं में किसान, मजदूर, दलित और समाज का यथार्थ चित्रण मिलता है। उनकी भाषा सरल और प्रभावशाली है।

1. दो बैलों की कथा

–प्रेमचंद

पाठ का सार

'दो बैलों की कथा' मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी है। इसके प्रमुख पात्र दो बैल हैं। हीरा और मोती नाम के ये बैल सीधे-सादे भारतीय लोगों के प्रतीक हैं। ये शक्तिशाली, कमाऊ और सीधे-सादे होते हुए भी मनमाने अत्याचार सहते हैं। कहानीकार इनके माध्यम से भारतीय लोगों की परतंत्रता दिखाना चाहता है।

(1)

बैल–एक सीधा जानवर– जानवरों में गधा सबसे बुद्धिहीन माना जाता है। इसका सबसे बड़ा कारण है–उसका सीधापन और सहनशीलता। वह सुख-दुख, हानि-लाभ सभी में एक जैसा रहता है। इसी सीधेपन और सहनशीलता के कारण ही भारतीयों को भी अफ्रीका और अमरीका में अपमान सहना पड़ता है। गधे से कुछ-ही कम सीधा एक और प्राणी है-बैल। यह कभी-कभी अड़ भी जाता है, इसलिए इसका स्थान गधे से कुछ नीचा है।

हीरा और मोती सच्चे मित्र–झूरी के पास दो बैल थे–हीरा और मोती। दोनों पछाईं जाति के सुंदर, सुडौल और चौकस बैल थे। लंबे समय से साथ-साथ रहते हुए उनमें गहरा प्रेम हो गया था। वे साथ-साथ खाते, खेलते और धौल-धप्पा करते थे। वे एक-दूसरे को चाट-सूँघकर प्रेम प्रकट करते थे तथा आँखों से ही एक-दूसरे की बात समझ लेते थे।

हीरा-मोती झूरी की ससुराल में–संयोग से झूरी ने एक बार दोनों बैलों को अपनी ससुराल भेज दिया। बेचारे बैल समझे कि मालिक ने हमें बेच दिया है। अत: वे अड़ गए। झूरी का साला उन्हें आगे धकेलता तो वे पीछे जोर लगाते। मुश्किल-से वे साँझ को नए स्थान पर पहुँचे। वहाँ भी उनका मन न लगा। उन्होंने चारे में मुँह न डाला। नया घर उन्हें बेगाना-सा लगा।

बैल वापस झूरी के घर–रात को दोनों बैलों ने कनखियों से एक-दूसरे को देखा। चुपचाप सलाह की और पगहे तोड़कर झूरी के घर चल पड़े। झूरी ने सुबह अपने बैलों को चरनी पर खड़ा देखा तो गदगद हो गया। बैलों की आँखों में विद्रोह-भरा स्नेह था। घर और गाँव के बच्चे तालियाँ बजा-बजाकर उनका स्वागत करने लगे। हाँ, पत्नी जरूर क्रोधित हुई। वह उन्हें नमक-हराम कहने लगी। गुस्से के कारण उसने बैलों को सूखा चारा डाला। बैल चारा खाएँ तो कैसे? झूरी ने नौकर को चारे में खली डालने को कहा, किंतु मालकिन के डर से रह गया।

(2)

हीरा-मोती दोबारा झूरी की ससुराल में–दूसरे दिन झूरी का साला फिर-से हीरा-मोती को ले गया। इस बार उसने दोनों को बहुत मोटी रस्सियों से बाँधा और उनके सामने सूखा चारा डाल दिया। हीरा-मोती का ऐसा अपमान पहले कभी नहीं हुआ था। अगले दिन उन्होंने हल में जुतने से इन्कार कर दिया। झूरी के साले ने खीझकर उनकी नाक पर खूब डंडे मारे। परंतु दोनों टस-से-मस न हुए। उलटे हल लेकर भाग गए। रस्सी, हल, जुआ, जोत सब टूट-टाटकर बराबर हो गया। परंतु गले में लंबी-लंबी रस्सियाँ थीं, इसलिए पकड़े गए।

बैल फिर-से भागे–अगले दिन उन्हें फिर से सूखा चारा मिला। लेकिन शाम के समय भैरों की नन्हीं लड़की दो रोटियाँ लेकर आई। रोटियाँ खाकर हीरा-मोती की आत्मा प्रसन्न हो गई। उन्हें पता चला कि नन्हीं लड़की की माँ मर चुकी है, इसलिए सौतेली माँ उसे बहुत परेशान करती है। मोती का दिल किया कि वह भैरों को या उसकी नई पत्नी को उठाकर फेंक दे। परंतु लड़की का स्नेह याद करके चुप रह जाते।

अगली रात उन्होंने रस्सी तुड़ाकर भागने की योजना बनाई। वे रस्सी को कमज़ोर करने के लिए चबाने लगे। परंतु तभी नन्हीं लड़की ने आकर दोनों की रस्सियाँ खोल दीं। लेकिन बैल लड़की के स्नेह के कारण न भागे। लड़की ने शोर मचाया–फूफा वाले बैल भागे जा रहे हैं। दादा, भागो।

Click Here for Regional Languages

हीरा-मोती भाग पड़े। गया ने उनका पीछा किया। गाँव के और लोग भी पीछे हो लिए। दोनों रास्ता भटक गए। नए-नए गाँव पार करते हुए वे एक खेत के किनारे पहुँच गए। मटर का खेत था। दोनों ने खूब मटर खाए और मस्ती में आकर उछलने-कूदने लगे।

(3)

साँड से लड़ाई–अचानक उनके सामने बहुत बड़ा साँड आ गया। दोनों डर गए। मुकाबला कैसे करें। हीरा ने मोती को सलाह दी कि दोनों उस पर मिलकर आक्रमण करें। उन्होंने यही किया। साँड एक पर सींग चलाता तो दूसरा उसके पेट में अपने सींग घुसेड़ देता। साँड को दो-दो शत्रुओं से लड़ने की आदत नहीं थी। इसलिए वह बेदम होकर गिर पड़ा। दोनों ने उस पर दया की और छोड़ दिया।

हीरा-मोती पकड़े गए–विजय के नशे में दोनों बातें करने लगे। सामने मटर का खेत था। मोती उसमें घुस गया। अभी उसने मटर खाने शुरू किए ही थे कि दो आदमी लाठियाँ लेकर आ गए। हीरा तो भाग गया, परंतु मोती कीचड़ में फँस गया। पकड़ा गया। हीरा ने मोती को फँसा देखा तो वापस लौट आया। रखवालों ने दोनों को पकड़ लिया और काँजीहौस में बंद कर दिया।

(4)

हीरा-मोती काँजीहौस में–काँजीहौस में उन्हें दिन-भर खाने को कुछ न मिला। वहाँ पहले-से कई भैंसें, बकरियाँ, घोड़े तथा गधे थे। सभी-के-सभी भूखे-प्यासे मुरदों की तरह पड़े थे। भूख के मारे हीरा-मोती ने दीवार की मिट्टी चाटनी शुरू की।

रात के समय हीरा के मन में विद्रोह की ज्वाली उठी। उसने बाड़े की कच्ची दीवार पर अपने नुकीले सींगों से वार किया। हर वार में कुछ मिट्टी गिर जाती। इतने में चौकीदार लालटेन लेकर वहाँ पहुँचा। उसने हीरा का उजड्डपन देखकर उसे कई डंडे मारे और उसे मोटी रस्सी से बाँध दिया। मोती ने उसे चिढ़ाया। हीरा ने जवाब दिया–बँध गए तो क्या हुआ! अगर दीवार टूट जाती तो कई जानें आज़ाद हो जातीं। अब मोती को भी जोश आ गया। उसने बड़े जोश से दीवार में सींग मारा। दो-घंटे जोर-आजमाइश करने के बाद उसने लगभग आधी दीवार गिरा दी।

अब जानवरों की जान में जान आई। सबसे पहले घोड़ियाँ भाग निकलीं, फिर बकरियाँ और भैंसें भागीं। गधे वहीं खड़े रहे। बोले-भागने का क्या फायदा! फिर पकड़े जाएँगे। मोती ने उन्हें सींग मार-मारकर भगाया। लेकिन हीरा रस्सी से बँधा था। कैसे भागता! हीरा ने मोती को कहा कि वह भाग जाए वरना उसकी खूब पिटाई होगी। मोती बोला–मैं विपत्ति में तुम्हें कैसे अलग कर सकता हूँ। वह भी वहीं सो गया। सुबह होते ही काँजीहौस के कर्मचारियों में खलबली मची। उन्होंने मोती की खूब मरम्मत की और उसे मोटी रस्सियों से बाँध दिया।

(5)

हीरा-मोती कसाई के हाथ में–हीरा-मोती एक सप्ताह तक वहीं बँधे रहे। उन्हें खाने को कुछ न मिला। बस दिन में एक बार पानी मिलता था। दोनों की ठठरियाँ निकल आईं। एक दिन उनकी नीलामी होने लगी। कोई भी खरीददार उन्हें न खरीदता। अंत में एक कसाई ने उन्हें खरीद लिया। वह जिस तरह कूल्हे में उँगली गोदकर देख रहा था, उससे हीरा-मोती काँप गए।

नीलाम होकर दोनों दढ़ियल कसाई के साथ चले। वे अपने भाग्य को कोसने लगे। कसाई उन्हें भगाए जाता था। रास्ते में उन्हें गाय-बैलों का रेवड़ नज़र आया। वे सभी प्रसन्न होकर उछल-कूद कर रहे थे। हीरा-मोती सोचने लगे–ये कितने स्वार्थी हैं कि इन्हें हमारी विपत्ति की कुछ भी चिंता नहीं है।

झूरी के द्वार पर–सहसा हीरा-मोती को लगा कि वे रास्ते उनके जाने पहचाने हैं। अब उनके दुर्बल शरीर में जान आने लगी। जल्दी ही झूरी का घर नज़दीक आ गया। वे तेजी से भागने लगे और थान पर खड़े हो गए।

झूरी ने उन्हें देखा तो दौड़ा और उन्हें गले लगाने लगा। बैल भी झूरी का हाथ चाटने लगे। दढ़ियल कसाई ने बैल की रस्सियाँ पकड़ लीं। झूरी ने कहा–ये बैल मेरे हैं। कसाई बोला–मैं इन्हें नीलामी से लाया हूँ। वह बैलों को जबरदस्ती ले जाने लगा। मोती ने उस पर सींग चलाया। दढ़ियल भागा। मोती ने उसे और भगाया तथा गाँव से दूर कर दिया।

झूरी ने खुश होकर नाँदों में खली, भूसा, चोकर और दाना भर दिया। दोनों मित्र खाने लगे। गाँव में उत्साह छा गया। मालकिन ने आकर दोनों के माथे चूम लिए।

Watch me on YouTube

शब्दार्थ और टिप्पणी

पृष्ठ 3

मूल–असली। **असहयोग**–सहयोग न करना, साथ न देना। **सक्रिय**–काम करते हुए, आगे रहते हुए। **समर्पित**–भेंट करना, सौंप देना। **संकलित**–एकत्र, इकट्ठा किया हुआ। **परिवेश**–वातावरण। **अभिव्यक्ति**–प्रकट करना, कहना। **स्वाधीनता**–आज़ादी। **जीवंत**–जीवित, सजीव, प्राणवान। **परोक्ष**–जो सामने न हो, छिपा हुआ।

पृष्ठ 4

बुद्धिहीन–मूर्ख। **परले दरजे का बेवक़ूफ़**–महामूर्ख। **निरापद**–सुरक्षित, निर्विघ्न। **सहिष्णुता**–सहनशीलता। **पदवी**– स्थान, नाम। **निश्चय**–पक्की बात। **अनायास**–अचानक। **असंतोष**–नाखुशी। **वैशाख**–एक देशी महीना। **कुलेल**–क्रीड़ा, खेल। **स्थायी**–स्थिर। **विषाद**–उदासी। **पराकाष्ठा**–चरम सीमा। **सद्‌गुणों**–अच्छे गुण। **अनादर**–अपमान। **कदाचित**–शायद। **दुर्दशा**–बुरी हालत। **कुसमय**–बुरा समय। **जी तोड़कर**–दिल लगाकर। **गम खाना**–चुपचाप कष्ट सह लेना। **आदर्श**–ऊँचाई, श्रेष्ठता। **ईंट का जवाब पत्थर से देना**–जोरदार प्रतिक्रिया करना। **सभ्य**–श्रेष्ठ, भला। **मिसाल**–उदाहरण। **गण्य**–गिनने योग्य। **बछिया के ताऊ**–मूर्ख। **सर्वश्रेष्ठ**–सबसे अच्छा।

पृष्ठ 5

रीति–ढंग, प्रकार। **अतएव**–इसलिए। **पछाईं**–पश्चिमी प्रदेश का। **चौकस**– सावधान। **डील**–आकार, कद। **भाईचारा**–स्नेह। **मूक**–मौन। **विचार-विनिमय**–विचारों का आदान-प्रदान। **गुप्त**–छुपी हुई। **दावा करना**–दम भरना, छाती ठोककर कहना। **वंचित**–रहित। **विग्रह**–लड़ाई। **विनोद**–मजाक। **आत्मीयता**–अपनापन। **घनिष्ठता**–गहराई, प्रगाढ़ता। **धौल-धप्पा होना**–स्नेहवश एक-दूसरे को धकियाना, चपत लगाना। **चेष्टा**–कोशिश। **नाँद**–पशुओं के चारे की जगह। **खली**-पशुओं को खिलाया जाने वाला सरसों का अवशेष। **भूसा**–अनाज का छिलका। **संयोग**–किस्मत। **गोईं/गुइयाँ**–सखी, खेल का साथी। **दाँतों पसीना आना**–बहुत जोर लगाना। **पगहिया**–पशु बाँधने की रस्सी। **वाणी**–आवाज। **कसर न उठाना**–कोशिश में कमी न छोड़ना। **चाकरी**–नौकरी। **कबूल**–स्वीकार। **ज़ालिम**–अत्याचारी। **दिल भारी होना**–भावुक होना। **बेगानों-से**–पराया।

पृष्ठ 6

कनखियों से देखना–तिरछी आँखों से देखना। **पगहा**–खूँटे से बँधी रस्सी। **दूनी**–दुगुनी। **चरनी**–चारा चरने की जगह। **गराँव**–फुँदेदार रस्सी जो बैल आदि के गले में डाली जाती है। **विद्रोहमय स्नेह**–विद्रोह से भरा हुआ स्नेह। **गद्‌गद**–खुश। **प्रेमालिंगन**–प्यार से गले लगाना। **चुंबन**–चूमना। **मनोहर**–मनभावन, अच्छा। **अभूतपूर्व**–जो पहले कभी न हुई हो, नई। **अभिनंदन-पत्र**–स्वागत के लिए पत्र। **चोकर**–भूसा। **प्रतिवाद**–विरोध, काट।

पृष्ठ 7

नमकहराम–स्वामी के उपकार को भूलकर विरोधी काम करने वाला। **आक्षेप**–दोष लगाना। **मजूर**–मज़दूर। **ताकीद**–चेतावनी, निर्देश। **टिटकार**–मुँह से निकलने वाला टिक-टिक का शब्द। **आहत सम्मान**–सम्मान पर चोट। **व्यथा**–दुख। **आँख न उठाना**–न देखना।

पृष्ठ 8

ऐंठकर रह जाना–अकड़कर रह जाना, मन का विद्रोह प्रकट न कर पाना। **कुशल**–भला। **पलट पड़ना**–उलट कर चोट करना। **तेवर**–क्रोध की नजर, चेहरे के भाव। **टाल जाना**–बचा जाना। **मसलहत**–उचित। **सज्जन**–भला व्यक्ति। **वास**–निवास। **थान**–पशुओं को बाँधने की जगह।

पृष्ठ 9

बरकत–वृद्धि, बढ़ाई। **रोम-रोम**–रोआँ। **अनाथ**–बेसहारा। **सहसा**–अचानक। **गराँव**–पशुओं के गले में लपेटने वाली रस्सी।

पृष्ठ 10

बेतहाशा–बिना होश-हवास के, बहुत तेज़। **व्याकुल**–दुखी। **आहट लेना**–किसी के आने की टोह लेना। **डौंकता**–भयानक आवाज करता हुआ। **बगलें झाँकना**–घबराकर इधर-उधर देखना। **जान से हाथ धोना**–मर जाना। **चिंतित**–चिंता से भरपूर। **आरजू**–प्रार्थना, विनती, कामना। **नौ-दो-ग्यारह होना**–भागना। **रगेदना**–खदेड़ना, दौड़ाना। **जोखिम**–खतरा। **जान हथेली पर लेना**–प्राण संकट में डालना। **संगठित**–एकत्र। **तजुरबा**–अनुभव। **मल्लयुद्ध**–कुश्ती। **आदी**–अभ्यस्त।

पृष्ठ 11

उस्ताद–गुरु। **झल्लाकर**–खीझ कर। **भोंक**–गड़ा, अंदर डाल देना। **ज़ख्मी**–घायल। **बेदम**–शक्तिहीन। **तिरस्कार करना**–फटकार लगाना। **बैरी**–शत्रु। **ग्रास**–कौर। **मेढ़**–खेत की सीमा पर उठी हुई मिट्टी। **संगी**–साथी। **कांजीहौस**–मवेशीखाना, वह बाड़ा जिसमें दूसरे का खेत आदि खाने वाले या लावारिस पशु बंद किए जाते हैं तथा कुछ जुर्माना लेकर छोड़े जाते हैं। **साबिका**–वास्ता, सरोकार। **टकटकी**–लगातार देखना। **तृप्ति**–संतोष, प्यास बुझना।

पृष्ठ 12

बूता–बल। **बाड़ा**–चारदीवारी से घिरा हुआ खुला स्थान। **चिप्पड़**–दीवार में चिपका हुआ मिट्टी का टुकड़ा। **उजड्डपन**–उजाड़ू स्वभाव। **रसीद**–मारा। **ज़ोर मारना**–ताकत लगाना। **जान से हाथ धोना**–मरना। **देह**–शरीर। **प्रतिद्वंद्वी**–दुश्मन।

पृष्ठ 13

चेत उठना–जाग उठना। **सरपट भागना**–तेज गति से दौड़ना। **हरज**–आपत्ति, परेशानी। **विपत्ति**–संकट। **मरम्मत**–बुरी तरह पीटा। **तृण**–तिनका। **आधार**–जिस पर चीजें टिकी हों। **ठठरियाँ**– मांस रहित हड्डी। **डुग्गी**–डमरू जैसा चमड़े का वाद्य।

पृष्ठ 14

मन फीका करना–निराश होना। **मृतक**–मरे हुए, मरियल। **मुद्रा**–आकृति। **अत्यंत**–बहुत अधिक। **टटोल**–खोज। **अंतर्ज्ञान**–भीतरी ज्ञान। **दिल काँपना**–डरना। **संदेह**–शक। **भीत**–डरा हुआ। **नाहक**–बेकार। **अश्रद्धा**–असम्मान से। **छुरी**–काटने का हथियार। **बोटी-बोटी काँपना**–अंग-अंग काँपना। **रेवड़**–समूह। **चपल**–चुस्त। **पागुर करना**–जुगाली करना, आनंद से चबाना। **बधिक**–हत्यारा। **परिचित**–जानी पहचानी। **प्रतिक्षण**–हर समय। **पुर चलाना**–रहट चलाना। **नगीच**–नज़दीक।

पृष्ठ 15

थान–जगह। **उन्मत्त**–सनकी, मतवाला, पागल। **कुलेलें**–क्रीड़ा। **मवेशी खानें**–पशुशाला, जहाँ आवारा पशु कैद करके रखे जाते हैं। **नीलाम**–बोली बोलकर खरीदना। **अख़्तियार**–हक, वश, अधिकार। **बे-मारे**–बिना मारे। **विजयी शूर**–जीता हुआ वीर।

Click Here to Buy Main Book Online

गंगा पाठ्यपुस्तक अभ्यास प्रश्न

(पृष्ठ 16–27)

रचना से संवाद

मेरे उत्तर मेरे तर्क

निम्नलिखित प्रश्नों के सटीक उत्तर चुनिए और यह भी बताइए कि आपको ये उत्तर उपयुक्त क्यों लगते हैं?

1. कहानी में हीरा और मोती का आपसी संबंध किस गुण को मुख्य रूप से दर्शाता है?

(क) प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता
(ख) एकता और सहयोग
(ग) गर्व और दंभ
(घ) विद्रोह और क्रोध

उत्तर– (ख) एकता और सहयोग

क्यों– यही दोनों गुण उनके व्यवहार में दिखाई देते हैं।

2. हीरा-मोती ने नया स्थान स्वीकार क्यों नहीं किया?

(क) उन्हें भरपेट भोजन दिया गया।
(ख) उन्हें बहुत मोटी रस्सी से बाँधा गया।
(ग) मालिक ने बेचा, यह सोचकर उन्हें अपमान लगा।
(घ) उन्हें अलग-अलग बाँधा गया।

उत्तर– (ग) मालिक ने बेचा, यह सोचकर उन्हें अपमान लगा।

3. बैलों ने रस्सी तोड़कर घर लौटने का निर्णय क्यों लिया?

(क) कष्टों से बचने के लिए
(ख) स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए
(ग) अभिमान की रक्षा के लिए
(घ) अपनापन पाने के लिए

उत्तर– (घ) अपनापन पाने के लिए

4. गया द्वारा डंडे से मारने पर मोती का आक्रोश किस मानवीय मनोवृत्ति का द्योतक है?

(क) स्वाभिमान (ख) अहिंसा
(ग) पराधीनता (घ) अन्याय की रक्षा

उत्तर– (क) स्वाभिमान

5. कहानी में बैलों की 'मूक-भाषा' का प्रयोग लेखक ने किसलिए किया?

(क) कहानी को रोचक बनाने के लिए
(ख) मनुष्य जैसी चेतना दिखाने के लिए
(ग) संवादों को छोटा रखने के लिए
(घ) कथा में हास्य उत्पन्न करने के लिए

उत्तर– (ख) मनुष्य जैसी चेतना दिखाने के लिए

क्यों– यह कहानी प्रतीकात्मक है। लेखक हीरा-मोती के माध्यम से परतंत्र भारत की दशा दिखाना चाहता है।

6. 'दो बैलों की कथा' को यदि स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ें, तो हीरा और मोती किसके प्रतीक हो सकते हैं?

(क) भारत पर अंग्रेजों के क्रूर और अन्यायपूर्ण शासन के
(ख) स्वतंत्रता संग्राम में पशुओं के योगदान के
(ग) सत्याग्रह और अहिंसा के आंदोलन के
(घ) स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के

उत्तर– (घ) स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के

क्यों– वे दोनों संघर्ष करना नहीं छोड़ते।

मेरी समझ मेरे विचार

नीचे दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा कीजिए और उनके उत्तर लिखिए–

1. "दूसरे दिन गया ने बैलों को हल में जोता, पर इन दोनों ने जैसे पाँव न उठाने की कसम खा ली थी।" जब बैल नए मालिक के यहाँ गए, तो उन्होंने काम करने से इनकार क्यों कर दिया था?

उत्तर– हीरा और मोती स्वामिभक्त बैल थे। वे यह सहन नहीं कर सके कि उनके मालिक ने उन्हें बेच दिया। इस उदासी में वे नए मालिक गया के साथ रच-बस नहीं सके। उन्होंने हल में जुतने से इन्कार कर दिया।

2. "गाँव के इतिहास में यह घटना अभूतपूर्व न होने पर भी महत्वपूर्ण थी।" बैलों का घर लौट आना कोई साधारण घटना नहीं है। कैसे?

(**संकेत–** *वे क्यों लौट आए, उनके और झूरी के मन में कौन-कौन से भाव रहे होंगे, क्या वास्तविक जीवन में भी ऐसा होता है आदि।*)

उत्तर– गाँवों में पशु-प्रेम के ऐसे किस्से होते रहते हैं। हीरा और मोती भी स्वामिभक्त बैल थे। उन्हें अपने मालिक झूरी से असीम प्रेम था। इस कारण वे गया के घर से पगहे तुड़वाकर वापस लौट आए। वे हर हाल में अपने स्वामी के पास रहना चाहते थे।

3. "मोती ने मूक-भाषा में कहा–अब तो नहीं सहा जाता, हीरा!"

सृजन

1. हीरा और मोती की दैनंदिनी

कहानी में हीरा और मोती आपस में मनुष्यों की तरह बातें करते दिखते हैं। कल्पना कीजिए कि वे लिख-पढ़ भी सकते हैं। हीरा या मोती की नज़र से उस दिन की डायरी लिखिए जब उन्हें काँजीहाउस ले जाया गया।

कैसे लिखें–

- ''आज का दिन...'' से आरंभ करें।
- भावनाएँ लिखें (भूख, गुस्सा, दर्द)।
- अंत में आशा या संकल्प लिखें।

(**संकेत–** *''आज हमें काँजीहाउस में बंद किया गया। भूख से पेट जल रहा है। पर विश्वास है कि झूरी हमें वापस ले जाएगा।''*)

उत्तर– आज हमारे लिए दुर्भाग्य है। हमने मटर क्या खाए कि पकड़े गए। हमें बड़ी बेरहमी से काँजीहाउस में बंद कर दिया गया। हमें धकिया कर एक खूँटे में बाँध दिया गया। इससे तो गया का घर ही अच्छा था।

हमें भूख लगी। हम प्यास से बेहाल हैं। परंतु न कोई चारा देने वाला है, न पानी। और पशु भी मरे-मरे से हैं। सभी की गर्दन झुकी है। चेहरे मुरझाए हुए हैं। हमें कोई उम्मीद नहीं नज़र आ रही।

सुनते हैं, भगवान सबकी सुनता है। हमें लगता है, हमारा मालिक झूरी जरूर हमारे लिए परेशान होगा। वह एकदम यहाँ जरूर आएगा–हमें ढूँढ़ते-ढूँढ़ते।

2. आज के समाचार

मान लीजिए आप एक स्थानीय समाचार पत्र के संवाददाता हैं। अपने समाचार पत्र के लिए बैलों के काँजीहाउस से भागने का समाचार लिखिए।

कैसे लिखें–

- शीर्षक दें।
- घटना का विवरण (कहाँ, कब, क्या हुआ)।
- परिणाम और लोगों की प्रतिक्रिया।

(**संकेत–** *शीर्षक 'दो बहादुर बैलों ने तोड़ी बेड़ियाँ'*)

उत्तर– शीर्षक– बैल तोड़-ताड़ कर भागे

कल रात काँजीहाउस में बवंडर हो गया। हीरा-मोती नाम के दो बैलों ने खूब उत्पात मचाया। मोती ने सींग मार-मारकर काँजीहाउस की दीवार तोड़ डाली। सारे जानवर बाहर निकल भागे। घोड़े, बैल, भैंसें, साँड़ सभी भाग गए। सिर्फ गधे पड़े रहे।

सुबह काँजीहाउस के मालिक को पता चला तो उसके होश उड़ गए। जनता ने सुना तो खूब खुश हुई। उन्हें लगा– जैसे देश आज़ाद हो गया हो। वे काँजीहाउस की झल्लाहट की खिल्ली उड़ाते मिले।

3. कहानी का नया अंत

यदि बैल वापस न लौटते तो कहानी का अंत कैसे होता? कहानी का नया अंत लिखिए।

कैसे लिखें–

- बैलों की नई जगह।
- झूरी की स्थिति।

(**संकेत–** *''हीरा और मोती अब एक बूढ़े किसान के घर शांति से रह रहे हैं।''*)

उत्तर– काँजीहाउस से छूटे हीरा-मोती एक पार्क में जाकर ठहर गए। वहाँ पहले-से कुछ आवारा पशु खड़े थे। वे भी खड़े हो गए। इतने में एक वृद्ध सज्जन आए। उन्होंने हीरा-मोती को रोटियाँ खिलाईं। हीरा-मोती खुश हुए। वे गर्दन हिलाकर उसका धन्यवाद करने लगे।

वृद्ध खुश हुए। उन्होंने आशीर्वाद की मुद्रा में हाथ जोड़े और वापस चले गए। मोती ने हीरा को इशारा किया–बंदा अच्छा है।

हीरा ने सिर हिलाया–लगता तो मुझे भी है।

मोती–तो चलें उसके घर?

हीरा–पता नहीं, इसके घर हमारे लिए जगह होगी कि नहीं।

मोती–पर चलने में हमारा जाता क्या है?

हीरा-मोती–वृद्ध के पीछे-पीछे चल पड़े। कोई एक मील चलने के बाद वृद्ध महोदय का अहाता आया। वृद्ध ने देखा–हीरा-मोती तो पीछे-पीछे चले आ रहे हैं। वे वृद्ध भी घर में अकेले थे। उनके बच्चों ने उन्हें अकेला छोड़ दिया था। वृद्ध उनकी दशा को समझ गए। बोले–तुम भी अकेले, मैं भी अकेला!

उन्होंने दरवाजा खोल दिया। हीरा-मोती शान से उसके अहाते में चले गए। वे खुश थे–झूरी न सही, झूरी जैसा झुरझुर करता मालिक सही।

4. चित्रकथा लेखन

नीचे 'दो बैलों की कथा' की एक घटना को चित्रकथा के रूप में दिया गया है। इन घटनाओं को पहचानिए। प्रत्येक घटना के लिए उपयुक्त संवाद और घटनाक्रम बताने वाले वाक्य लिखिए।

कैसे लिखें–

- हर चित्र के लिए एक छोटा संवाद बनाकर लिखिए।
- दृश्य का क्रम–बंद करना, भागने की योजना, दीवार तोड़ना, आजादी।

(**संकेत–** *चित्र 4: ''अब हम आजाद हैं।''*)

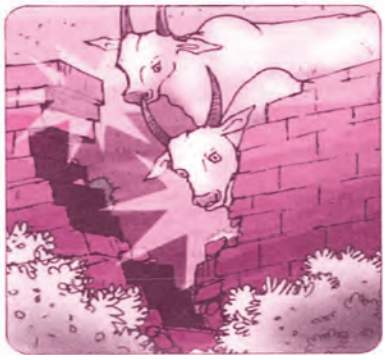

उत्तर– 1. घटना–इसमें काँजीहाउस में बंद पड़े लाचार पशुओं का दृश्य है। हीरा और मोती उदास हैं।

संवाद–**हीरा**–''अब तो रहा नहीं जाता मोती!''

मोती–(सिर लटकाए हुए)–''मुझे तो मालूम होता है, प्राण निकल जाएँगे।''

2. घटना–काँजीहाउस से बाहर निकलने की योजना सोच रहे हैं– हीरा-मोती।

संवाद–**हीरा**–यहाँ से भागने का कोई उपाय निकालना चाहिए।

मोती–आओ, दीवार तोड़ डालें।

3. घटना–हीरा और मोती ने सींग मार-मार कर दीवार तोड़ डाली। परंतु हीरा के गले में रस्सी थी।

संवाद–**हीरा**–''तुम जाओ, मुझे यहीं पड़ा रहने दो। शायद कहीं भेंट हो जाए।''

मोती–''तुम मुझे इतना स्वार्थी समझते हो हीरा!''

4. घटना–दीवार टूटते ही सारे पशु भाग गए।

भाषा से संवाद

व्याकरण की बात

मेरे शब्द

कहानी में से पाँच ऐसे शब्द चुनकर लिखिए जो आपके लिए बिल्कुल नए हैं। अब उन शब्दों के अर्थ अपने अनुमान से लिखिए। उसके बाद उनके अर्थ शब्दकोश में से देखकर लिखिए।

उत्तर– 1. **पगहिया**–पाँवों की रस्सी (यह ठीक निकला)
2. **बेतहाशा**–अंधाधुंध (कोश में–बहुत तेजी से)
3. **बूते**–बल, जोर (यह ठीक है)
4. **उन्मत्त**–पागल (कोश में–नशे में चूर)
5. **अख्तियार**–अपनाना (कोश में–अधिकार, हक)

भाषा गढ़ते मुहावरे

"लोग आ-आकर उनकी सूरत देखते और मन फीका करके चले जाते।"

'मन फीका करना' एक मुहावरा है जिसका अर्थ आपको वाक्य पढ़कर समझ में आ ही गया होगा। इसी से मिलते-जुलते

Click Here to Buy Main Book Online

प्रश्न 5. 'साँड़ को मार गिराने की घटना से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर– साँड़ को मार गिराने की घटना से हमें संगठित होकर संघर्ष करने की प्रेरणा मिलती है। हीरा-मोती के सामने खड़ा साँड़ हाथी के समान लंबा-चौड़ा था। वह दोनों को अकेला मार सकता था। हीरा-मोती ने तुरंत निर्णय किया कि वे दोनों एक-साथ उस पर आक्रमण करेंगे। यही हुआ। जब साँड़ एक पर चोट करता तो दूसरा उसके पेट में नुकीले सींग घुसेड़ देता। साँड़ को संगठित शत्रुओं से लड़ने का अनुभव नहीं था। इसलिए थोड़ी-ही देर में वह बेदम होकर गिर पड़ा। इससे हमें प्रेरणा मिलती है कि संगठित होकर संघर्ष करने से बड़े-से-बड़े शत्रु को भी हराया जा सकता है।

प्रश्न 6. *'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।'*–**हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर– हीरा के इस कथन से यह ज्ञात होता है कि समाज में स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। उन्हें शारीरिक यातनाएँ दी जाती थीं। इसलिए समाज में ये नियम बनाए जाते थे कि उन्हें पुरुष समाज शारीरिक दंड न दे। हीरा और मोती भले इन्सानों के प्रतीक हैं। इसलिए उनके कथन सभ्य समाज पर लागू होते हैं। असभ्य समाज में स्त्रियों की प्रताड़ना होती रहती थी।

उत्तर के लिए Scan करें

स्व-अभ्यास-प्रश्न

बहुविकल्पी प्रश्न

1. गया के घर से हीरा-मोती को किसने छुड़वाया?
   (क) गया ने (ख) झूरी ने
   (ग) गया की पत्नी ने (घ) लड़की ने

रिक्त स्थान भरें

1. हीरा और मोती के बीच गहरी ..... थी।
   (क) शत्रुता (ख) मित्रता
   (ग) प्रतियोगिता (घ) ईर्ष्या
2. हीरा और मोती दोस्ती में कभी-कभी सींग ..... लिया करते थे।
   (क) मिला (ख) हटा
   (ग) टकरा (घ) तोड़
3. अमरीका ..... को अपने देश में नहीं आने देता था।
   (क) पाकिस्तानियों (ख) भारतवासियों
   (ग) विदेशियों (घ) गरीबों

कथन और कारण

1. **कथन–** साँड़ हीरा-मोती के आक्रमण के कारण हार गया।
   कारण– हीरा-मोती साँड़ से अधिक बलशाली थे।
   निष्कर्ष:
   (क) कथन (A) सत्य है और कारण (R) भी सत्य है।
   (ख) कथन (A) सत्य है किंतु कारण (R) असत्य है।
   (ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों असत्य हैं।
   (घ) कथन (A) असत्य है और कारण (R) भी असत्य है।

मिलान करें

1.

स्तंभ (क)	स्तंभ (ख)
1. काँजीहाउस	(क) मोती
2. उग्रवादी क्रांतिकारी	(ख) साँड़
3. नरमदिल क्रांतिकारी	(ग) कारागार
4. स्वदेशी शत्रु	(घ) हीरा

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. हीरा और मोती में से कौन अधिक धैर्यवान है?
2. मोती मानो गरमदल का क्रांतिकारी है। ठीक या गलत?
3. अगर हीरा-मोती मटर का खेत न चरते तो पकड़े न जाते। क्या यह कथन सत्य है?
4. यह कहानी भारतीय स्वाधीनता संग्राम की ओर संकेत करती है– हाँ या नहीं?
5. ''अब तो सहा नहीं जाता''– किसका कथन है?

6. ''कहो, तो दिखा दूँ कुछ मज़ा मैं भी।''– किसने किससे कहा।
7. ''नहीं, यह हमारी जाति का धर्म नहीं है''– किसने कहा?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. यदि सम्मान पाना है तो शक्ति जरूरी है।–कहानी की एक घटना से सिद्ध कीजिए।
2. अमरीका भारतवासियों को अपने यहाँ क्यों नहीं बसाना चाहता?
3. जापान का सम्मान क्यों बढ़ा?
4. यदि हीरा-मोती सत्याग्रह करते तो क्या जीत जाते?
5. संघर्ष करने से मुसीबतें बढ़ती हैं, लाभ कुछ नहीं मिलता–क्या यह कथन सत्य है? क्यों?
6. बड़े-से-बड़े संकट का मुकाबला कैसे हो सकता है? कहानी के किसी प्रसंग से स्पष्ट कीजिए।
7. गधे किन लोगों के प्रतीक हैं जो भगाने पर भी नहीं भागते?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. सिद्ध कीजिए–हीरा गाँधी है और मोती सुभाष।
2. स्वतंत्रता का अर्थ हिंसा नहीं है–सिद्ध कीजिए।
3. ये दो बैल नहीं– गरमदल और नरमदल के दो क्रांतिकारी हैं–सिद्ध कीजिए।
4. झूरी की पत्नी ने हीरा-मोती को नमकहराम क्यों कहा और फिर बाद में उनका माथा क्यों चूमा?
5. 'दो बैलों की कथा' यथार्थवादी कहानी है या काल्पनिक या सांकेतिक–तर्कयुक्त उत्तर दीजिए।

स्व-अभ्यास-प्रश्नोत्तर के लिए क्लिक करें

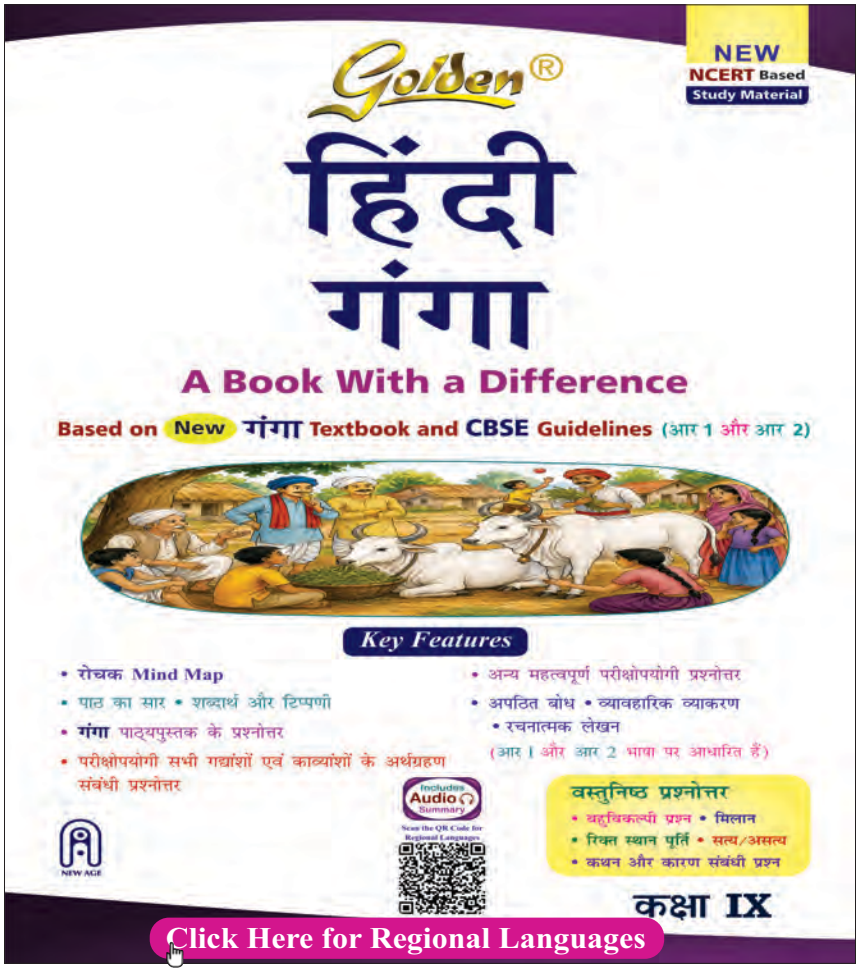

ISBN: 978-93-6074-743-5 Publication Year: 2027 Edition: New
Pages: 510 MRP: ₹ 499.00 Paperback

Click Here to Buy the Book Online

Salient Features

- रोचक Mind Map
- पाठ का सार • शब्दार्थ और टिप्पणी
- गंगा पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर
- परीक्षोपयोगी सभी गद्यांशों एवं काव्यांशों के अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर
- अन्य महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर
- अपठित बोध • व्यावहारिक व्याकरण • रचनात्मक लेखन
  (आर 1 और आर 2 भाषा पर आधारित हैं)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

• बहुविकल्पी प्रश्न • मिलान • रिक्त स्थान पूर्ति • सत्य/असत्य • कथन और कारण संबंधी प्रश्न

Watch me on YouTube

Committed to Educate the Nation
NEW AGE
Publishing Globally
IN INDIA

NEW AGE INTERNATIONAL (P) LIMITED, PUBLISHERS
LONDON • NEW DELHI
New Delhi • Bengaluru • Bhopal • Chennai • Cochin • Guwahati • Hyderabad • Kolkata • Lucknow • Mumbai • Patna
9315905300 9315905288 9315905334 9315905309 9315905289 9315905296 9315905326 9315905319 9315905295 9315905282 9315905339
Visit us at www.newagegolden.com

A WORD OF WISDOM YOU SHOULD HEED

Golden® *BOOKS YOU SHOULD READ*

ATTENTION STUDENTS!

IF YOU WANT A BRILLIANT SUCCESS,

BE WISE, DON'T BE IN A MESS.

OTHER BOOKS YOU MAY SEE OR TRY,

BUT THE Golden® BOOKS YOU MUST BUY.

Golden® BOOKS

FOR CLASSES FROM I TO XII

A WARRANTY FOR GOLDEN FUTURE

- Golden® **books contain all that is required in the Examinations.**
- Golden® **books are written in sweet, simple and lucid language.**
- Golden® **books contain all the questions set in the Previous CBSE Examinations (up-to-date and fully solved).**
- Golden® **books contain the Expected Questions likely to be set in the Examinations.**
- Golden® **books are a boon for the weak, the mediocre and intelligent students alike.**

TO CROWN ALL

Golden® **books suit all the pockets and serve the triple purpose of Textbooks, Help Books and Sample Papers---- *All in One.***

CHOOSE THE BEST---AND LEAVE THE REST

NEW AGE INTERNATIONAL (P) LIMITED, PUBLISHERS

7/30 A, Daryaganj, New Delhi-110 002 (INDIA)

Tel.: 011-23253771, 23253472 • Fax: +91-11-43551305

Visit us at www.newagegolden.com

(CIN: U74899DL1966PTC004618)

Click Here to Buy Main Book Online

Golden®

NCERT BASED BOOKS

is also on

SOCIAL MEDIA